ब्याज मुक्त ऋण सहित आयात शुल्क और एथेनॉल मिश्रण की सीमा बढ़ाने का निर्णय

एक फैसला, दो का भला

बीएस संवाददाता
मुंबई, 23 जून

वित्तीय बोझ तले दबे चीनी उद्योग को राहत देने के लिए सरकार ने आज कई प्रोत्साहन उपायों की घोषणा की। इसके तहत चीनी का आयात शुल्क मौजूदा 15 फीसदी से बढ़ाकर 40 फीसदी करने और पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की मात्रा 5 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी करने की घोषणा की गई। उद्योग से गन्ना किसानों के बकाये के भुगतान की गारंटी मिलने के बाद इस बारे में जल्द ही अधिसूचना जारी की जाएगी। चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का करीब 11,000 करोड़ रुपये का बकाया है।

बैठक के बाद केंद्रीय खाद्य आपूर्ति मंत्री रामविलास पासवान ने कहा, 'आयात शुल्क बढ़ाने और अनिवार्य तौर पर एथेनॉल मिश्रण की मात्रा में इजाफा करने के साथ ही चीनी मिलों के लिए ब्याज मुक्त ऋण की अवधि को 3 साल से बढ़ाकर 5 साल किया गया। इसके साथ ही चीनी निर्यात सब्सिडी को सितंबर 2014 तक जारी रखने का निर्णय लिया गया।'

उद्योग जगत से जुड़े लोगों ने इन निर्णयों को लागू करने की बात कही, जिस पर मंत्री ने कहा कि किसानों के बकाये का भुगतान करने का आश्वासन मिलने के साथ ही इसे लागू किया जाएगा। उद्योग को इससे फायदा मिलने की उम्मीद से आज बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर चीनी कंपनियों के शेयरों में करीब 10 फीसदी की तेजी देखी गई। रेणुका शुगर्स के प्रबंध निदेशक नरेंद्र मुरकुंबी ने कहा, 'इन निर्णयों के लागू होने के बाद चीनी की कीमतों में तेजी आने की उम्मीद है।' पासवान ने कहा, 'अगर मिलें किसानों के बकाये का भुगतान करने को तैयार हों तो हमें इन घोषणाओं को औपचारिक तौर पर लागू करने में कोई समस्या नहीं है।' हालांकि उन्होंने कहा कि कुछ निर्णय को संबंधित मंत्रालयों से अधिसूचित करना होगा वहीं कुछ निर्णय के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी लेनी होगी। इंडियन शुगर मिल्स एसोशिएसन के महानिदेशक अविनाश वर्मा ने कहा, 'सरकार के इन निर्णयों से उद्योग को फायदा होगा, जिससे किसानों का बकाया चुकाने में मदद मिलेगी।' एथेनॉल मिश्रण को 10 फीसदी किए जाने से करीब 1.6 से 1.7 अरब डॉलर विदेशी मुद्रा की बचत होगी, जिससे चालू खाते ने घाटे को कम करने में मदद मिलेगी। डीसीएम श्रीराम कंसोलिडेटेट के उप प्रबंध निदेशक अजित श्रीराम ने कहा, 'सरकार के ताजा निर्णय से उद्योग को मदद मिलेगी।'

बकाया चुकाने की गारंटी पर मिलेंगे प्रोत्साहन

- चीनी पर आयात शुल्क 15 फीसदी से बढ़ाकर 40 फीसदी किया
- पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की सीमा 5 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी की
- ब्याज मुक्त कर्ज की अवधि 3 साल से बढ़ाकर 5 साल की
- सितंबर 2014 तक जारी रहेगी निर्यात सब्सिडी
- उद्योग को उम्मीद, चीनी के दाम में 2 रुपये किलो तक का हो सकता है इजाफा

चीनी शेयरों की बढ़ी मिठास

कंपनी	तेजी*
श्री रेणुका शुगर्स	10.32
बजाज हिंदुस्तान	9.87
त्रिवेणी इंजीनियरिंग	9.57
धामपुर शुगर	7.79
बलरामपुर चीनी	7.52

* 20 जून के बंद भाव के मुकाबले फीसदी में
संकलन : बीएस रिसर्च

वायदा में चीनी तेज

आयात शुल्क बढ़ाने से चीनी के दाम बढ़ने के संकेत आज से ही वायदा बाजार में दिखने लगा। सोमवार को वायदा बाजार मेंचीनी की कीमतों में 2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वायदा बाजार में एनसीडीईएक्स पर चीनी का जुलाई अनुबंध 53 रुपये बढ़कर 3,097 रुपये, अगस्त अनुबंध 64 रुपये बढ़कर 3,137 रुपये, सितंबर अनुबंध 58 रुपये बढ़कर 3,193 रुपये और अक्टूबर अनुबंध 50 रुपये बढ़कर 3,169 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान चीनी की वायदा कीमतें 3,200 रुपये प्रति क्विंटल को पार कर गई। पृष्ठ 13

बिजनेस स्टैंडर्ड
24/6/14